पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 16.11.2017 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868002130

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्
के तत्वावधान में
स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस
शनिवार, 23 दिसम्बर 2017,
प्रातः 9.30 से 11 तक
स्थानः सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा
निवास—20 विंडसर पैलेस,
जनपथ, नई दिल्ली
—अनिल आर्य, संयोजक

वर्ष-34 अंक-12 मार्गशीर्ष-2074 दयानन्दाब्द 193 16 नवम्बर से 30 नवम्बर 2017 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.11.2017, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

आर्य समाज गोविन्द पुरम, गाजियाबाद का 17वां वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

भगवा रंग हमारी भारतीय संस्कृति के त्याग व बलिदान का प्रतीक है- डॉ.अनिल आर्य

ध्वजारोहण करते मुख्य अतिथि डा.अनिल आर्य,साथ में डा.जयेन्द्र आचार्य,प्रवीन आर्य व मंत्री सतीश साहरन। मंच पर आचार्य शंकरमित्र वेदालंकार भजन प्रस्तुत करते हुए,साथ में वर्मा जी,प्रवीन आर्य,डा.अनिल आर्य व डा.जयेन्द्र आचार्य।

गाजियाबाद। रविवार, 5 नवम्बर 2017,आर्य समाज,गोविन्द पुरम का त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने ओ३म् ध्वज फहराकर समारोह का उद्घाटन किया। डा.अनिल आर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज भारतीय संस्कृति पर चुंहू ओर से आक्रमण होना जारी है, कमल हसन का वक्तव्य भी उसी श्रृंखला में एक कड़ी है, उनका हिन्दू शब्द को भगवा आंतकवाद से जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। भगवा रंग तो भारतीय संस्कृति के त्याग ओर बलिदान का प्रतीक है। हिन्दू आंतकवादी नहीं होता हम तो सर्वे भवन्तु सुखिनः की प्रार्थना करते हैं। डा.अनिल आर्य ने हिन्दू समाज को आहवान किया कि इस प्रकार के विषैले प्रचार व राष्ट्र विरोधी तत्वों के विरूद्व संगठित होकर प्रतिकार करें। समारोह का कुशल संचालन मंत्री श्री सतीश साहरन ने किया। यज्ञ के ब्रह्मा डा.जयेन्द्र आचार्य(नोएडा) ने यज्ञ करवाया,उन्होंने कहा कि परमात्मा संसार के कण कण में विद्यमान है,लेकिन आज परमात्मा के सच्चे भक्त नहीं मिलते हमें नित्य उसका ध्यान करना चाहिये। कासगंज से पधारे भजनोपदेशक आचार्य शंकरमित्र वेदालंकार ने अपनी ओजस्वी वाणी से सभी का मन जीत लिया। परिषद् के प्रान्तीय महामंत्री श्री प्रवीन आर्य,श्रीपाल आर्य(एडवोकेट), राजेन्द्र कुमार सिंह, सुरेन्द्र कुमार,केतन शंकर शर्मा, शिवम मिश्रा, गौरव गुप्ता, त्रिलोक आर्य आदि उपस्थित थे।

आर्य समाज सन्देश विहार, पीतमपुरा, दिल्ली का 25वां वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

संस्कारित युवा शक्ति के बिना राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता- डॉ.अनिल आर्य

सम्बोधित करते डा.अनिल आर्य, साथ में सुरेन्द्र गुप्ता,दुर्गेश आर्य, आचार्य विजय भूषण आर्य। द्वितीय चित्र—श्री सतीश कुमार आहुजा को सम्मानित करते डा. अनिल आर्य, दुर्गेश आर्य, जगदीशलाल आर्य, टी.पी.साहु व आचार्य देवकिशन दास।

रविवार, 5 नवम्बर 2017,आर्य समाज,सन्देश विहार,दिल्ली का 25 वां वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। आचार्य गौतम जी(करनाल) के प्रवचन हुए। आचार्य विजयभूषण आर्य ने यज्ञ करवाया। समारोह के विशिष्ट अतिथि डा. अनिल आर्य ने कहा कि बिना युवा शक्ति के कोई भी विचारधारा आगे नहीं बढ़ सकती,हमें वैदिक विचारधारा को जन जन तक यदि पंहुचाना है तो युवाओं को संस्कारित करना ही पड़ेगा। दुनियां में कोई भी आन्दोलन युवा शक्ति ही चलाया करती है। परिषद् के राष्ट्रीय मंत्री श्री दुर्गेश आर्य ने कुशल मंच संचालन किया। श्रीमती तृप्ता व सतीश कुमार आहुजा ने ध्वजारोहण किया। वेद प्रचार मण्डल के प्रधान श्री सुरेन्द्र गुप्ता व महामंत्री श्री जोगेन्द्र खट्टर,माता कृष्णबाला,सोनल सहगल,ऋणि सरीन,माता कृष्णा सपरा,सुमन नागपाल,डा.सुषमा आर्या,अनिता आनन्द,सीमा कपूर आदि उपस्थित थे। समाज के प्रधान डा.विशाल आर्य,मंत्री श्री देवमित्र आर्य,वरूण आर्य,साहिल आर्य,शिवम टांक आदि व्यवस्था देख रहे थे। आर्य कुलम के बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम की सभी ने सराहना की।

अन्तर्राष्ट्रीय वेद सम्मेलन दिल्ली में

अन्तर्राष्ट्रीय वेद सम्मेलन का भव्य आयोजन इन्दिरा गांधी कला केन्द्र, जनपथ, नई दिल्ली में दिनांक 15,16,17 दिसम्बर 2017 को किया जा रहा है। आप सभी सादर आमन्त्रित हैं — आनन्दप्रकाश आर्य, संयोजक (आई.पी.एस.रिटा.)

वीर सावरकर जी के नाटक प्रतिशोध में अंग्रेजों के इतिहास की कुछ प्रमुख घटनाओं का अनावरण''

–मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून।

भारत माता के वीर सपूत अमर व अजेय वीर सावरकर का नाम लेकर भारतीय आर्य हिन्दू गौरव का अनुभव करते हैं। देश की आजादी के लिए उन्होंने जो कार्य व बलिदान किया है, वह स्वर्णाक्षरों में अंकित है। सावरकर जी स्वतन्त्रता के अग्रणीय योद्धा व समाज सुधारक सहित एक सफल लेखक व इतिहासकार भी थे। उन्होंने सन् 1857 की प्रथम आजादी की लड़ाई वा क्रान्ति पर जो ग्रन्थ 'प्रथम स्वातन्त्र्य का इतिहास' लिखा है, वह उन्हें एक सफल इतिहासज्ञ सिद्ध करता है। प्रत्येक भारतीय को उनका वह ग्रन्थ तो अवश्य ही पढ़ना चाहिये। पाठक इसे पढ़कर तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत होने के साथ अनेक ऐतिहासिक तथ्यों से भी परिचित हो सकते हैं। ऐसा इतिहास अन्यत्र दुर्लभ है। यह भी बता दें कि प्रकाशन से पूर्व ही इस पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया था। इतिहास में शायद ही ऐसी कोई घटना होगी कि पुस्तक का प्रकाशन हुआ ही नहीं और वह प्रतिबन्धित कर दी गई। यह भी बता दें कि सावरकर जी का आजदी की लड़ाई में भूमिका के लिए उन्हें दो जन्मों का कारावास दिया गया था। वह कालापानी अर्थात् केन्द्रीय सेलुलर जेल, पोर्टब्लेयर में रहे और वहां उन्हें एक मानव कोल्हू में पशु की भांति जोतकर तेल निकलवाया जाता था। हमने पोर्टब्लेयर जाकर इन सभी दृश्यों का साक्षात्कार किया है। उस कमरे में भी गये जहां वह वर्षों तक रहे। हम उनके बलिदान व देशभक्ति को नमन करते हैं। सावरकर जी ने एक नाटक लिखा है जिसका नाम है 'प्रतिशोध'। पानीपत की प्रथम लड़ाई में मराठों की पराजय के प्रतिशोध की कथा है इस नाटक की पृष्ठ भूमि है। इसमें अनेक ऐतिहासिक तथ्यों को भी प्रस्तुत किया गया है जिससे आज की युवापीढ़ी व विद्वान अपरिचित हैं। पानीपत की युद्धभूमि में मराठों की विजय के अवसर से पूर्व का एक ऐसा ही प्रकरण हम प्रतिशोध ग्रन्थ से प्रस्तुत कर रहे हैं। पुस्तक का प्राक्कथन श्री विक्रमसिंह, एम.ए. ने लिखा है। पूरा प्राक्कथन पढ़ने योग्य है परन्तु हम उनके कुछ महत्वपूर्ण शब्द यहां प्रस्तुत कर रहे हैं। वह लिखते हैं ''प्रतिशोध'' का मूल कथानक मरहटों की उत्तरविजय पर आधारित है, परन्तु उसके साथ ही विदेश से वापस आये वीरवर यशवन्तराव के माध्यम से लेखक ने सिन्धुबन्दी एवं रोटीबन्दी जैसी भ्रामक कल्पनाओं को निर्मूल सिद्ध किया है, साथ ही सादुल्लाखान द्वारा बलपूर्वक अपहृत प्रथम पत्नी सुनीति का सम्मान स्वीकार करने का आदर्श प्रस्तुत कर, शुद्धि आन्दोलन का महत्व भी प्रतिपादित किया है। वैसे ही कोंडण्णा और घोंडण्णा (फलित ज्योतिषियों) के रूप में समाज में होने वाले स्वार्थी, भीरू तथा नीच तत्वों को चित्रित कर, उनके पापों का कठोर प्रायश्चित्त भी दर्शाया है।' अंग्रेज वकील मराठा सरदार यशवंतराव जी को कहते हैं 'हाः हाः हाः। यशवंतराव! वह मरहटों की तलवार मुसलमानों को बटाव (बताओ)। उनसे वे डरेंगे। पर हम ब्रिटिश–हम उश्शे डरता नाय, टुम हिन्डु–टुमारे आपस में फूट। टुम सब के गुलाम मुस्लिमों के भी स्लेव? पर ब्रिटेन कभी भी किशी का स्लेव हुआ नाय–आज भी नाय।'

इसका उत्तर मराठा सरदार यशवंतराव जी ने जो दिया उसमें अनेक ऐतिहासिक तथ्यों का उद्घाटन हुआ है। वह मुसलमान बादशाह के समाने अंग्रेज वकील को कहते हैं––ब्रिटेन आज किसी का गुलाम नहीं है तो महाराष्ट्र भी तो किसी का गुलाम नहीं है। पर ब्रिटेन कभी भी किसी का गुलाम हुआ नहीं, यह घमण्ड कम से कम मेरे सम्मुख तो ना करो। रोमन लोगों ने ब्रिटेन को अपना गुलाम बनाया था कि नहीं? वह रोमन सेना, जब ब्रिटेन छोड़कर जाने लगी, तब स्कौच लोगों के डर के कारण 'ना जाओ, हमें छोड़कर ना जाओ, नहीं ता "We shall find ourselves between the devil and deep see-" कह कर रोमन लोगों के पांव किस डरपोक गुलाम ने पकड़े थे? ब्रिटेन ने ही ना। सेक्सन्स ने किसे जीता? ब्रिटेन को। डचों ने किसे गुलाम बनाया। ब्रिटेन को। नार्मनों ने किस पर चढ़ाई की? ब्रिटेन पर। नार्मन लोग जिसे बुरी से बुरी गाली देना चाहते थे, उसे 'यग्लिशमन' अर्थात् गुलाम कहते थे––वे दिन अंग्रेज लोगों को भी भूलना नहीं चाहिए। साहब मैं आपका देश देख आया हूं। (यशवंतराव जी इंग्लैण्ड सहित अनेक यूरोप के देशों का भ्रमण कर आये थे। ब्राह्मणों ने समुद्र पार जाने और वहां के लोगों के हाथ का भोजन करने के कारण उन्हें हिन्दू धर्म से पतित करने का षडयन्त्र किया परन्तु वह सफल नहीं हुए। यशवन्तराव सच्चे देश भक्त थे। (वीर सावरकर जी ने पण्डितों को उनसे जो संवाद कहलवायें हैं वह तर्क व युक्तियां वहीं हैं जो ऋषि दयानन्द व आर्यसमाज की होती हैं। –लेखक)। यशवन्तराव जी अंग्रेज वकील को आगे कहते हैं कि आप के घर की स्थिति मैं अच्छी तरह से जानता हूं। आज हमारे विशाल हिन्दुस्तान के हिन्दू लोग जातीयता, प्रान्तीयता के कारण असंगठित हुए हैं, पर तुम्हारे उस जरा से इंग्लैंड़ के भी टुकड़े जिन सात राज्यों में हुए थे, उस भ्मचजंतबील––का स्मरण करो। और यह भी ध्यान में रखो कि, ऐसी असंगठित हुई हिन्दुस्तान की यह दुर्बलता भी कम से कम आज तो राज्यशक्ति में तुम से सबल है। जिसे इतनी खाज हो वह हिन्दुपति मरहटे के रास्ते में आ के देखे।

इसके उत्तर में अंग्रेज वकील ने कहा कि वेल यशवंतराव, मरहटों की बाजू हिन्दुस्तान में आज यदि शमर्ठ (समर्थ) होगा भी टो भी कल वह वैशा ही रहेगा क्या? इस पर यशवंतराव जी ने कहा कि रहेगा भी और नहीं भी रहेगा। प्रत्येक उदय का अन्त अस्त में होता है, प्रत्येक अस्त का अन्त उदय में होता है। भ्मचजंतबील–को जिसने देखा, वह इंग्लैड़ जैसे एक राष्ट्र हुआ, वैसे आज की रोटीबन्दी (मुसलमान, ईसाई व अन्यों के हाथ का भोजन न करना इससे उनका हिन्दुओं का धर्म चला जाता है) से, समुद्रबन्दी से (समुद्र पार जाने से भी हिन्दुओं का धर्म चला जाता है, इस अनुचित सिद्धान्त से) जातिबन्दी (जन्मना जातिवाद से हिन्दुओं में परस्पर जो फूट है, उससे) जकड़ा हुआ यह हिन्दु–राष्ट्र उन बेड़ियों को तोड़ कर कल एक अत्यंत प्रबल ऐसा एक राष्ट्र हो भी सकता है। आज अटक तक चढ़ जाकर जैसे उसने मुसलमानों के आक्रमण से महाराष्ट्र की रक्षा की, वैसे ही समुद्रबन्दी की रोटी–बन्दी की बेड़ियां तोड़ कर लन्दन में जाकर कल वे हिन्दुस्तान भी बचा सकेंगे। साहब, इंग्लैंड से आप हिन्दुस्तान में आते हैं, यह यदि सम्भव है तो बम्बई से हमारा इंग्लैंड जाना भला असम्भव कैसे होगा?

उपर्युक्त पंक्तियों में अंग्रेजों के इतिहास पर प्रकाश डाला गया है जिसे वह छुपाने का प्रयास करते हैं और हम व हमारे लोग उन्हें जानते नहीं है। हिन्दु समाज की कमियों को विधर्मी खूब रेखांकित करते हैं परन्तु वह अपनी कमजोरियां व बुराईयां नहीं देखते हैं। हिन्दुओं को महर्षि दयानन्द जी की वैदिक मान्यताओं के परिप्रेक्ष्य में अपना सुधार करना चाहिये और अन्य मतों को भी वेदानुकूल सत्य ईश्वरीय सिद्धान्तों को स्वीकार करना चाहिये। – 196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001, फोनः 09412985121

आर्य समाजों के आगामी वार्षिकोत्सव

1. आर्य स्त्री समाज, अशोक विहार, फेज–1, दिल्ली का 43 वां वार्षिकोत्सव बुधवार, 29 नवम्बर 2017 को प्रातः 11.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक श्रीमती रचना आहुजा की अध्यक्षता में मनाया जायेगा –विजय अरोड़ा, मंत्रिणी
2. आर्य समाज, सैनिक विहार, दिल्ली का 18 वां वार्षिकोत्सव 22 नवम्बर से 29 नवम्बर 2017 तक मनाया जायेगा। डा.सोमदेव जी (मुम्बई) के प्रवचन व सरदार सुरेन्द्र सिंह गुलशन के भजन होंगे।
3. आर्य समाज, अमर कालोनी, नई दिल्ली का 50 वां वार्षिकोत्सव 17 नवम्बर से 19 नवम्बर 2017 तक मनाया जायेगा। आचार्य योगेन्द्र याज्ञिक यज्ञ के ब्रह्मा होंगे व आचार्य सतीश सत्यम के भजन होंगे –जितेन्द्र डावर, प्रधान
4. आर्य समाज, दिलशाद गार्डन, पूर्वी दिल्ली का 25वां वार्षिकोत्सव 23 नवम्बर से 26 नवम्बर 2017 तक मनाया जायेगा। डा.जयेन्द्र आचार्य के प्रवचन व आचार्य देव आर्य के भजन होंगे– जवाहर भाटिया, प्रधान
5. आर्य समाज, सैक्टर–33, नोएडा का वार्षिकोत्सव दिनांक 6 दिसम्बर से 10 दिसम्बर 2017 तक मनाया जायेगा। डा.जयेन्द्र आचार्य यज्ञ के ब्रह्मा रहेंगे व श्री दिनेश पथिक के मधुर भजन होंगे–कै.अशोक गुलाटी,मंत्री
6. आर्य समाज, सैक्टर–3,4,5,6 रोहिणी, दिल्ली का वार्षिकोत्सव दिनांक 17,18,19 नवम्बर 2017 को पार्क, ए–2/2, सैक्टर–5, रोहिणी में मनाया जायेगा। आचार्य भद्रकाम वर्णी के प्रवचन होंगे व आचार्य विजय भूषण आर्य के मधुर भजन होंगे– सुदेश डोगरा, प्रधान
7. आर्य समाज, विशाखा एनक्लेव, दिल्ली का वार्षिकोत्सव दिनांक 16 नवम्बर से 19 नवम्बर 2017 तक मनाया जायेगा। आचार्य उर्षबुध जी के प्रवचन व प. दिनेशदत आर्य के भजन होंगे –ओमप्रकाश गुप्ता,मंत्री
8. आर्य समाज,पूर्वी पंजाबी बाग,दिल्ली का वार्षिकोत्सव दिनांक 16,17,18,19 नवम्बर 2017 को मनाया जायेगा । आचार्य डा.वागीश जी के प्रवचन व श्री लक्ष्मी कांत के मधुर भजन होंगे– रवि चड्डा,मंत्री
9. आर्य समाज,महावीर नगर,दिल्ली का वार्षिकोत्सव दिनांक 15 नवम्बर से 19 नवम्बर 2017 तक मनाया जायेगा । आचार्य आर्य नरेश जी,आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री जी के प्रवचन व प.योगेश दत आर्य के भजन होंगे –राजपाल पुलियानी,प्रधान
10. आर्य समाज,टैगोर गार्डन विस्तार,ए.डी.ब्लाक,दिल्ली का 54 वां वार्षिकोत्सव दिनांक 16 नवम्बर से 19 नवम्बर 2017 तक मनाया जायेगा। आचार्य गवेन्द्र शास्त्री जी के प्रवचन व श्रीमती कविता आर्या के मधुर भजन होंगे– अशोक आर्य, प्रधान
11. गुरूकुल गौतम नगर,नई दिल्ली का 84वां वार्षिकोत्सव व यज्ञ दिनांक 27 नवम्बर से 17 दिसम्बर 2017 तक मनाया जायेगा। डा.महावीर जी (हरिद्वार) यज्ञ के ब्रह्मा रहेंगे–स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती, आचार्य

जहां नहीं होता कभी विश्राम, आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

दिल्ली चलो आर्यो दिल्ली आओ आर्यो फिर दिल्ली पहुंचों आर्यो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 39वें वार्षिकोत्सव

के उपलक्ष्य में वायु प्रदुषण व पर्यावरण शुद्धि हेतु

डा.अशोक कुमार चौहान की अध्यक्षता व **स्वामी आर्यवेश जी,**

स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी श्रद्धानन्द जी, स्वामी धर्ममुनि जी के सान्निध्य में

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ : आचार्य अखिलेश्वर जी के ब्रह्मत्व में एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक 26, 27 व 28 जनवरी 2018 (शुकवार, शनिवार व रविवार)

स्थानः रामलीला मैदान, अशोक विहार, फेज–1, दिल्ली–110052 (निकट कन्हैया नगर मैट्रो स्टेशन)

राष्ट्रीय एकता शोभा यात्रा

शनिवार, 27 जनवरी 2018, प्रातः 10.30 बजे

इस रचनात्मक कार्यकम में आपका तन,मन,धन से सहयोग अपेक्षित है,दान राशी चैक/ड्राफट द्वारा ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली'' के नाम से कार्यालयः आर्य समाज,कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी,दिल्ली–110007 के पते पर भिजवाने की कृपा करें। यज्ञ हेतु घी,सामग्री, समिधा व ऋषि लंगर के लिये आटा, दाल, चावल, सब्जी, मसाले, दूध, रिफाईण्ड आदि से सहयोग कर पुण्य के भागी बने।

हजारों की संख्या में पंहुच कर आर्य समाज की विराट् शक्ति का परिचय दें व दिल्ली से बाहर के आने वाले आर्य जन अपने पंहुचने का समय व संख्या से अविलम्ब सूचित करें जिससे यथोचित आवास आदि का प्रबन्ध किया जा सके। यज्ञमान बनने के इच्छुक श्रद्धालु अपना स्थान शीघ्र सुरक्षित करवायें।

सम्पर्क करें:– देवेन्द्र भगत–9312406810, धर्मपाल आर्य–9871581398,
सन्तोष शास्त्री–9868754140, जीवनलाल आर्य–9718965775, काशीराम शास्त्री–9873454344,
सौरभ गुप्ता–9970467978, विकान्त चौधरी–9958728186, अरूण आर्य–9818530543

दर्शनाभिलाषीः

आनन्द चौहान	डॉ. अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	प्रेमकुमार सचदेवा/सत्यपाल गांधी	देवेन्द्र भगत
संरक्षक	राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामन्त्री	स्वागताध्यक्ष	प्रेस सचिव

आस्था व निखिल के विवाह पर डा. अशोक चौहान, स्वामी आर्यवेश, स्वामी प्रणवानन्द जी ने दिया आशीर्वाद

मंगलवार, 14 नवम्बर 2017,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य–पिंकी आर्या की सुपुत्री आस्था व निखिल के ''विवाह समारोह'' आर्य समाज,डिफेन्स कालोनी,नई दिल्ली में शिक्षाविद डा.अमिता चौहान,डा.अशोक कुमार चौहान,स्वामी आर्यवेश जी,स्वामी प्रणवानन्द जी,आचार्य प्रेमपाल शास्त्री,श्री ओम सपरा आदि गणमान्य आशीर्वाद प्रदान करते हुए। आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने विवाह संस्कार सम्पन्न करवाया। प्रमुख रूप से सांसद तरूण विजय,पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल,नेता प्रतिपक्ष दिल्ली विधान सभा विजेन्द्र गुप्ता,पूर्व महापौर सुभाष आर्य,पार्षद आलोक शर्मा,सरदार एम.एस.बिट्टा,शिव सेना के जयमगवान गोयल,पूर्व विधायक ब्रह्मसिंह तंवर,विश्व हिन्दू परिषद् के केन्द्रीय उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघल,टी.टी.ग्रुप के चेयरमैन रिखबचन्द जैन,ठाकुर विक्रम सिंह जी, नवीन रहेजा(रहेजा डवैलपर),कै.रूद्रसेन सिन्धु,मदनलाल आय'(आल आउट),योगेश मुन्जाल(हीरो ग्रुप),दर्शन अग्निहोत्री,योगराज अरोड़ा (सलेक्ट सिटी), डा.राजकुमार आर्य(स्वदेशी फार्मेसी,रामनाथ सहगल,अजय सहगल(टंकारा ट्रस्ट),सुभाष बब्बर(जम्मू), आनन्द आर्य(हापुड़),ईश आर्य(हिसार),रेखा गुप्ता,ममता नागपाल,यशपाल आर्य,प्रोमिला घइ '(पूर्व पार्षद), वैदिक विद्वान आचार्य अखिलेश्वर जी,आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा,आचार्य योगेन्द्र शास्त्री, सुरेन्द्र कोहली,पूर्व विधायक डा.महेन्द्र नागपाल,उपमहापौर योगेश वर्मा,ब्रह्मप्रकाश मान, स्वतन्त्र कुकरेजा(करनाल), पं. मेघश्याम वेदालंकार,आचार्य विद्याप्रसाद मिश्र,मनोहरलाल चावला(सोनीपत),राकेश ग्रोवर(ग्रोवर संस),गुलशन विरमानी (पी.एस डा.हर्षवर्धन), ऐस्कॉर्टस ग्रुप के पूर्व उपप्रधान सुरेश आनन्द,आर.के.चिलाना, डी.जी.एम. देवेन्द्र यादव, यूनियन प्रधान एस.डी.त्यागी, रोजी पण्डित, मकेन्द्र कुमार,ओम सपरा (मैट्रो पोलटेन मैजिस्ट्रेट,लायन प्रमोद सपरा,के.एल.पुरी,अन्जु बजाज,शंकरदेव आर्य सहित अनेकों गणमान्य शुभचिन्तकों ने पधार कर नवदम्पति को आशीर्वाद प्रदान किया । परिषद् के महामंत्री महेन्द्र भाई अपनी पूरी टीम के साथ अतिथियों का स्वागत सत्कार करने को जुटे रहे । सभी का स्नेह व आशीर्वाद के लिये हार्दिक आभार ।

दिल्ली हाट में आर्य नेता रवि चड्डा व समाजसेवी ओम प्रकाश जैन का अभिनन्दन

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा आयोजित 134 वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस पर दिल्ली हाट पीतमपुरा, दिल्ली में पश्चिमी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के प्रधान श्री रवि चड्डा का अभिनन्दन व द्वितीय चित्र में दिल्ली व्यापार महासंघ के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जैन का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, यशोवीर आर्य, महेन्द्र भाई,रामकुमार सिंह आर्य,दुर्गेश आर्य।

आर्य समाज, सैक्टर-15, रोहिणी का व आर्य समाज कोटा का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 29 अक्तुबर 2017, आर्य समाज, सैक्टर–15, रोहिणी, दिल्ली के तत्वावधान में यज्ञ व वेद प्रचार का सुन्दर कार्यकम खुले मैदान में किया गया। चित्र में डा.अनिल आर्य का स्वागत करते समाज के प्रधान श्री प्रदीप गुप्ता,आचार्य विश्वमित्र शास्त्री आदि। समारोह की अध्यक्षता श्री धर्मपाल परमार ने की। श्रीमती प्रभा आर्या,संजीव गर्ग आदि उपस्थित थे। द्वितीय चित्र–आर्य समाज कोटा,राजस्थान के उत्सव पर महापौर का स्वागत करते प्रधान श्री अर्जुनदेव चड्डा आदि।

आर्य नेता श्री सुभाष बब्बर (जम्मू) व श्री ओम सपरा का अभिनन्दन

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन पर आर्य समाज दीवान हाल में परिषद् के जम्मू कश्मीर के प्रान्तीय अध्यक्ष श्री सुभाष बब्बर का अभिनन्दन करते सांसद तरूण विजय व श्री विजेन्द्र गुप्ता (नेता प्रतिपक्ष, दिल्ली विधान सभा), सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्य वेश जी व डा. अनिल आर्य। द्वितीय चित्र–श्री ओम सपरा (प्रधान, उतरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल) का अभिनन्दन करते श्री विजेन्द्र गुप्ता, महेन्द्र भाई,डा.अनिल आर्य व वेद प्रकाश आर्य।

आर्य समाज, बैंक एनक्लेव, पूर्वी दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 5 नवम्बर 2017, आर्य समाज,बैंक एनक्लेव, पूर्वी दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास मनाया गया। आचार्य प्रणवप्रकाश शास्त्री ने यज्ञ करवाया व आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा के प्रवचन हुए। युवा कवि विनय विनम्र के ओजस्वी गीतों ने समां बांध दिया। चित्र में विशिष्ट अतिथि डा.अनिल आर्य का स्वागत करते समाज के प्रधान श्री जगदीश पाहुजा, मंत्री श्री राजेन्द्र मल्होत्रा, पार्षद सन्तोषपाल,विधायक नितिन त्यागी,श्री यशोवीर आर्य,प्रोमिला सैनी,आशा गुप्ता आदि। दांये चित्र में पुरस्कृत बच्चे।

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्री कार्तिक्य हुड्डा, आयु 29 वर्ष (सुपुत्र श्री नरेन्द्र हुड्डा, आर्य समाज, हनुमान रोड़) का आसामयिक निधन।
2. वैदिक विद्वान आचार्य ज्ञानेश्वर जी (रोजड़, आश्रम, अहमदाबाद) का निधन।
3. श्री दाताराम (पिता श्री नरेन्द्र कुमार पंचाल, गाजियाबाद) का निधन।

आर्य समाज के गौरव

आर्य समाज की जिन लोगों ने तन-मन-धन से सेवा की है और महर्षि दयानन्द के सिद्धांतानुसार जीवन पर चलते हुए आर्य समाज के गौरव को बढ़ाया है। ऐसे 100 विद्वानों का जीवन चरित्र, कार्य, उपदेश आदि को लिए हुए आर्य समाज के गौरव नामक ऐतिहासिक ग्रंथ होगा, जो आर्ट पेपर पर छपेगा। कृप्या आप अपना एक रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो, जन्म से आज तक का पूर्ण विवरण भेजने की कृपा करें। जिसमें संन्यासी, महोपदेशक, भजनोपदेशक, विदुषी महिलाएं, राजनेता, शिक्षाविद्, लेखक, समाजसेवी, दानी एवं उद्योगपति आदि होंगे, जिनकी आयु 40 वर्ष से ऊपर हो। समिति के निर्णयानुसार प्रकाशन होगा।

- ठाकुर विक्रम सिंह, राष्ट्र निर्माण पार्टी
ए-41, द्वितीय फ्लोर, लाजपत नगर-दो,
निकट मेट्रो स्टेशन, नई दिल्ली-110024

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970